

DPN 6262

Title: शिवशक्ति समरत्वं मालिनी दण्डकः ŚIVA ŚAKTI SAMARATWAM
MĀLINĪ DANDAKAḤ

Run. No. 6953

Cat. No. 67

Micro. No.

Subject Hymn

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. / New. / Maith. / New. / New. / Nep. /

Size in cms. 29 x 11

Folios 5

Lines (in a page) 9

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

राजेन्द्र श्रेष्ठ

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Rajendra Shreshtha

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.:

Material: palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

□^Δ
ॐ नमः श्री महाभैरवाय ॥ श्री भैरव उवाच ॥ जयत्वं मालिनी देवी निर्मले
महानाशिनी ॥ शिवशक्तिः प्रभुर्देवी बुद्धिर्बलं तेजवर्धिनी ॥

८. इति शिवशक्ति समरत्वं मालिनी दण्डकः समाप्तः ॥

10

5

0

5

10

15

20

25

30



ॐ नमः श्री महादेव वाय ॥ श्रीरं व क उ वा वा ॥ जय त्वं मालिनी देवी निर्मल मल नागिनि ॥ स्नान ग कि ४ पु
 र्वे वी वृद्धि त्वं न ऊ व र्द्धि नी ॥ जन नी सर्व रूपा नी संसा व स्मि न श्र व स्मि ता ॥ माता वी ना व नी देवी का नृ र्ध क
 नृ व त्स ल ॥ जय त्वि य न म न त्व नि र्वा न स रू ति न जा म यी नि ४ सु ता श्र क नृ पा य ना स्नान ग कि त्व मि क्का कि
 या म द्ग ला ॥ अरु त र वा स रू त र वा पु न ४ स रू फ ना ग नृ व त्क उ ला का नृ पा य नृ नृ द ग कि नृ सी गी य स ॥ रा
 स रू गी ति नृ पा नि वा श्र ष्ठा ना मा च वा मा च वी डी म ना क्का श्रि का ॥ वि नृ नृ पा व धू ना र्ध व नृ द क ति त्वं जि का
 न ॥ अ उ म का नृ उं का नृ नृ का नृ स रू य नृ नृ त्व मा य य न ॥ न त्व नृ पा स व नृ पा रू ना का नृ व त्का य नी ॥ आ दि न
 ४ रू वा न त त्वा इ वा या नि नृ पा च गी क ४ स मा हि नी ॥ नृ दा मा ता नृ थ न नृ द ग कि ४ स रू द्वा जि नृ रू म ना यी
 ग नी ॥ रा न रू ती ति थि ग म्मि का स्का रू रू ता रू ना रू वा च रू षी ग रू की ग म या ति का नृ य दी व कू ना र्जि ना त्वं म
 हा स न रू सी गि नी ॥ धा उ ग्म ना मृ ता वि नृ सी दा रू नी ॥ स नृ द रू द्वा ग म स म्य कू प ना न नृ नि र्वा न सो रू व य

ॐ नमः श्री महादेव वाय ॥ श्रीरं व क उ वा वा ॥ जय त्वं मालिनी देवी निर्मल मल नागिनि ॥ स्नान ग कि ४ पु
 र्वे वी वृद्धि त्वं न ऊ व र्द्धि नी ॥ जन नी सर्व रूपा नी संसा व स्मि न श्र व स्मि ता ॥ माता वी ना व नी देवी का नृ र्ध क
 नृ व त्स ल ॥ जय त्वि य न म न त्व नि र्वा न स रू ति न जा म यी नि ४ सु ता श्र क नृ पा य ना स्नान ग कि त्व मि क्का कि
 या म द्ग ला ॥ अरु त र वा स रू त र वा पु न ४ स रू फ ना ग नृ व त्क उ ला का नृ पा य नृ नृ द ग कि नृ सी गी य स ॥ रा
 स रू गी ति नृ पा नि वा श्र ष्ठा ना मा च वा मा च वी डी म ना क्का श्रि का ॥ वि नृ नृ पा व धू ना र्ध व नृ द क ति त्वं जि का
 न ॥ अ उ म का नृ उं का नृ नृ का नृ स रू य नृ नृ त्व मा य य न ॥ न त्व नृ पा स व नृ पा रू ना का नृ व त्का य नी ॥ आ दि न
 ४ रू वा न त त्वा इ वा या नि नृ पा च गी क ४ स मा हि नी ॥ नृ दा मा ता नृ थ न नृ द ग कि ४ स रू द्वा जि नृ रू म ना यी
 ग नी ॥ रा न रू ती ति थि ग म्मि का स्का रू रू ता रू ना रू वा च रू षी ग रू की ग म या ति का नृ य दी व कू ना र्जि ना त्वं म
 हा स न रू सी गि नी ॥ धा उ ग्म ना मृ ता वि नृ सी दा रू नी ॥ स नृ द रू द्वा ग म स म्य कू प ना न नृ नि र्वा न सो रू व य

१ वृद्धं नीयुतं काया

३:०:३ क२४ वाय३ आसकुलपू१
हु१०८ मूलयाग

० क२४ हु१०८ वाय३ आसकुलपू१
ग्व७१०८ नूयकं मूलयाग

३:०:३ काला१ अंगुलि७ वाय३
आसकुलपू१ हु१०८ उ३मल

३:०:३ काला१ अंगुलि७ हु१०८ वाय३
आसकुलपू१ कुममल

३:०:३ कृतका१ हु१०८ वाय३
आसकुलपू१ निव

० कृतका१ हु१०८ ग्व७१०८ नूयकं
वाय३ आसकुलपू१ गकि कल

० कालाया१ हु१०८ वाय३ आसकु
लपू१ डिमनिग्व३ नूयकं १२ पू१२
ग्वखवा

० कल्लाव थय२ चिय थवययाग

० निकला२४ हाक थय२ चिय थ
कि न्याग

पू२ कीमानी जुजा निगुययाग ॥ पुनिहा
व आसकुलमानका १० तालाव आसकुल
मानका ॥ वाय २५० क२० ककल तवपू
पूतका मानका थदस्त ॥ भावागा नउत

सि

तालाव पुनिहाव आसकुलमानका ॥ व
पूकाखायकि व थवयातायाग मानका ११
तवपू पूतका थदस्तकाखाययाग मानका
वायवागा १३० ककल का १८ थननिवया ॥

१ घादणीकक विष्ण्या ॥

४:०:४ काला१ हाव हु१०८ वाय३
आसकुलपू१ मूलयाग

४:०:४ का हु१०८ वाय३ आस
कुलपू१ निव कल

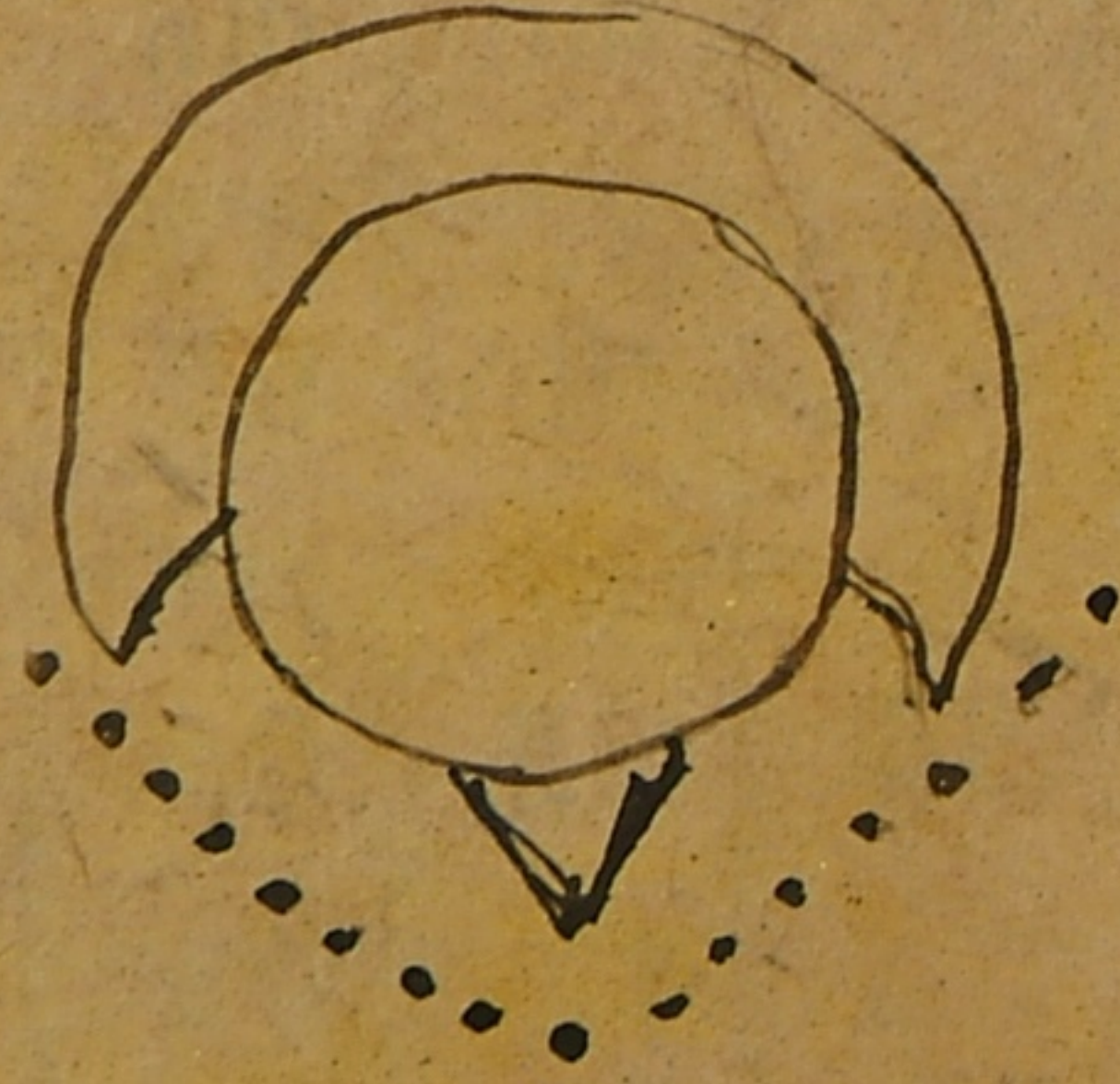
० हु१०८ का हाव ग्व७१०८ ग्व३
यक वाय३ आसकुलपू१ गकि
कल

तालाव आसकुलमानका पुनिहाव आस
कुलमानका ॥ थदस्त तवपू पूतका मान
का काखाययाग ॥ वपू पूतका मानका दव
याग ११ वाय १३० ककल का १८ थन विष्ण्या ॥

प्रावलययाग

३

शान् वयं यूनका मात्रका ॥ वलुया
नयू १ वाय ३ आमकुलया ॥
धनं वलुय ३ नीयाक ॥ ॥



वसुधैव कुटुम्बकम्



वसुधैव कुटुम्बकम्